le: Demand to accord Bharat Ratna to Anna Bhau Sathe.

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे (**हातकणंगले**): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । मैं एक महत्वपूर्ण विषय पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । अण्णा भाऊ साठे जी मराठा साहित्य जगत के एक श्रेष्ठ रचनाकार थे । उनका जन्म 1 अगस्त, 1920 में मेरे संसदीय क्षेत्र हातकणंगले में, सांगली जिले के वाटेगांव में हुआ । मैं यह कहना चाहूंगा कि वे एक छोटे से दलित परिवार से आते थे । वर्ष 2020 में उनकी जन्म शताब्दी हुई । डेढ़ दिन की पाठशाला सीखे हुए अण्णा भाऊ साठे जी ने 30 उपन्यास, 16 कहानी संग्रह, 1 नाटक, 10 लोक नाट्य अपने जीवन प्रवास में लिखे । उनके उपन्यास पर मराठी फिल्म भी बनी । अण्णा भाऊ साठे द्वारा फकीरा नामक उपन्यास को राष्ट्रीय मान्यता मिली और 27 भाषाओं में उसका अनुवाद किया गया । इसका परिणाम यह हुआ कि उनका पवाड़ा प्रसिद्ध होते ही रूस सरकार ने उसे नोन लेते हुए उनको निमंत्रित किया और रूस में उनके पवाड़े को प्रसिद्धि मिली । दलित साहित्य का एक अच्छा काम उन्होंने उस टाइम में किया, मार्क्सवाद को बढ़ाने का काम किया ।

मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि उनको मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए । उनके गांव में उनकी स्मृति चिरंतन रहने के लिए एक राष्ट्रीय स्मारक की रचना भी वहां की जाए ।... (व्यवधान)

माननीय सभापति: अगर आपको सम्बद्ध करना है तो स्लिप भेज दीजिए ।

13.00 hrs